भारत सरकार

ग्रामीण विकास मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3684

(16 जुलाई, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए)

ीएमजीएसवाई के अन्तर्गत शामिल किए गए गांव

3684. श्री जी॰ सेल्वमः

क्या ग्रामीण विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अन्तर्गत कितने गांवों को शामिल किया गया है और तमिलनाडु राज्य में अब तक कितने गांवों को सड़कों से जोड़ा जाना बाकी है;

(ख) गत पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में पीएमजीएसवाई के विभिन्न चरणों के अन्तर्गत आबंटित, मंजूर, जारी और खर्च की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने तमिलनाडु राज्य में पीएमजीएसवाई की प्रगति की समीक्षा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम रहे हैं?

उत्तर

ग्रामीण विकास मंत्री

(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क): प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत कार्यक्रम की इकाई एक बसावट होती है और न कि एक राजस्व गांव। इसकी शुरूआत से लेकर 12 जुलाई, 2019 तक, 2001 की जनगणना के अनुसार 500 से अधिक आबादी वाली पात्र और व्यवहार्य 1988 बसावटों में से 1985 बसावटों को पहले ही संपर्कता प्रदान कर दी गई है। राज्य ने सूचित किया है कि शेष बसावटों को छोड़े जाने की प्रक्रिया चल रही है।

(ख): पीएमजीएसवाई के विभिन्न चरणों के अंतर्गत तमिलनाडु में पिछले पांच वर्षों के दौरान रिलीज की गई निधियों और व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(रु. करोड़ में)

वर्ष	रिलीज की गई निधि	व्यय
2014-15	239.65	721.510
2015-16	205.00	224.212
2016-17	254.00	341.925
2017-18	591.069	506.95
2018-19	589.00	841.89

(ग): पीएमजीएसवाई के अंतर्गत ग्रामीण सड़कों के कार्यान्वयन की प्रगति की क्षेत्रीय समीक्षा बैठकों (आरआरएम), निष्पादन समीक्षा समिति (पीआरसी) बैठकों, राज्य के साथ पूर्व-अधिकार प्राप्त/अधिकार प्राप्त समिति की बैठकों के माध्यम से नियमित समीक्षा की जाती है। जिला स्तर पर, माननीय संसद सदस्य (लोक सभा) की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वयन और निगरानी समिति (दिशा) पीएमजीएसवाई सहित, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करती है। इसके अलावा, ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव/अपर-सचिव/संयुक्त सचिव द्वारा राज्यों के प्रमुख सचिवों/प्रधान सचिवों के साथ विशेष समीक्षा बैठकें की जाती हैं। इसके परिणामस्वरूप, राज्य ने सभी पात्र और व्यवहार्य बसावटों को संपर्कता प्रदान कर दी है और पीएमजीएसवाई के अंतर्गत 17,675.089 कि.मी. सड़क बना दी है।

******